नवोन्मेष
रुक्टा (राष्ट्रीय)

राजस्थान विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय शिक्षक संघ (राष्ट्रीय)
(अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ से संबद्ध)

website: www.ructarashtriya.org **Email:** info@ructarashtriya.org, ructarashtriya@gmail.com

केन्द्रीय कार्यालय : देराश्री शिक्षक सदन, राजस्थान विश्वविद्यालय परिसर, जयपुर-302004
प्रधान कार्यालय : सम्राट पृथ्वीराज चौहान राजकीय महाविद्यालय, अजमेर-305001 (राज.)
अध्यक्ष : डॉ. दिग्विजयसिंह शेखावत, बीकानेर मो. 9414452369, 9983007575
महामंत्री : डॉ. नारायणलाल गुप्ता, अजमेर मो. 9414497042

परिपत्र क्रं. : रुक्टा (रा.)/2015-16/05 **चैत्र पूर्णिमा वि. स. २०७३ तदनुसार 22 अप्रेल, 2016**
(सभी इकाई सचिवों एवं सक्रिय सदस्यों को समस्त सदस्यों में प्रसारित करने के अनुरोध सहित प्रेषित)

प्रिय महोदय/महोदया,

सादर नमस्कार।

पिछले परिपत्र के पश्चात् शिक्षक समस्याओं के संदर्भ में मुख्यमंत्रीजी, केन्द्रीय मानव संसाधन विकास मंत्रीजी, उच्च शिक्षामंत्रीजी सहित अन्य मंत्रियों एवं विधायकों से भेंट, शिक्षक समस्याओं के समाधान हेतु किये गये अन्य प्रयास एवं प्रगति, प्रांतीय कार्यकारिणी बैठक, कर्तव्य बोध दिवस कार्यक्रम, जे.एन.यू. प्रकरण में विरोध प्रदर्शन व जागरण कार्यक्रम, नवसंवत्सर कार्यक्रम, बाबासाहेब अम्बेड़कर जयंती कार्यक्रम सहित अन्य गतिविधियों के विवरण के साथ परिपत्र प्रस्तुत है।

शिक्षक समस्याओं के संबंध में संगठन की गतिविधियाँ एवं उपलब्धियाँ

1. **मुख्यमंत्री श्रीमती वसुंधराराजे जी से भेंट** - 12 अप्रेल 2016 को संगठन के प्रतिनिधिमंडल ने पदनाम परिवर्तन को लेकर मुख्यमंत्री श्रीमती वसुन्धरा राजे जी से उनके निवास स्थान पर विस्तृत भेंट की। संगठन द्वारा मुख्यमंत्री के समक्ष देश के विभिन्न राज्यों में यू.जी.सी. रेग्यूलेशन के अनुसार परिवर्तित पदनाम का तुलनात्मक वृत्त प्रस्तुत करते हुए राज्य के शिक्षकों एवं व्यापक रूप से राज्य के उच्च शिक्षा क्षेत्र को हो रहे नुकसान की जानकारी दी। पिछली सरकार द्वारा गलत घोषणा पत्र देकर केन्द्र सरकार से अनुदान लेने संबंधित दस्तावेज उन्हें प्रस्तुत करते हुए उच्च शिक्षा मंत्री श्री कालीचरण जी सराफ द्वारा की गई घोषणा के उपरांत भी पदनाम परिवर्तन नहीं होने पर हताश शिक्षक समुदाय की भावनाओं को मुख्यमंत्रीजी के सामने व्यक्त किया गया। मुख्यमंत्रीजी ने गंभीरतापूर्वक सभी तथ्यों को विस्तार से एक-एक कर समझा तथा शीघ्र ही इस विषय में सकारात्मक निर्णय लेने हेतु संगठन को आश्वस्त किया।
2. **केन्द्रीय मानव संसाधन विकास राज्यमंत्री प्रो. रामशंकर कठेरियाजी से भेंट** - मानव संसाधन विकास मंत्रालय एवं यू.जी.सी. से संबंधित विभिन्न समस्याओं को लेकर संगठन के प्रतिनिधिमंडल ने 31 मार्च 2016 को भारत सरकार में मानव संसाधन विकास राज्य मंत्री प्रो. रामशंकर जी कठेरिया से भेंट की। प्रतिनिधिमंडल ने उनके समक्ष विस्तृत तथ्य एवं दस्तावेज प्रस्तुत करते हुए राज्य सरकार द्वारा यू.जी.सी रेग्यूलेशन की अनिवार्यता होने के बाद भी अभी तक पदनाम परिवर्तन नहीं करने, पीएच.डी. हेतु कोर्स वर्क से सेवारत शिक्षकों को मुक्त रखने या 6 माह के सवैतनिक अवकाश का प्रावधान करने, रिफ्रेशर/ऑरियंटेशन कोर्स हेतु छूट की अवधि बढ़ाने संबंधी समस्याओं पर चर्चा की। मंत्रीजी ने सभी मांगों को जायज बताते हुए इनके समाधान में अपनी प्रभावी भूमिका निभाने की बात कही। पदनाम परिवर्तन हेतु शीघ्र ही उन्होंने राज्य सरकार से संवाद करने हेतु आश्वस्त किया।

3. **उच्च शिक्षामंत्रीजी से भेंट** – संगठन के प्रतिनिधिमंडल ने गत 5 मार्च को उच्च शिक्षामंत्री से भेंट कर शिक्षकों की लम्बित समस्याओं के बारे में चर्चा की। प्रतिनिधिमंडल ने गत 31 दिसम्बर 2015 को सीकर में आयोजित संगठन के प्रांतीय अधिवेशन में मंत्रीजी द्वारा प्राचार्य/उपाचार्य पदों की डी.पी.सी., आर.वी.आर.ई.एस. शिक्षकों के सी.ए.एस. का लाभ एवं 30 जून 2013 के बाद ड्यू सीनियर/सलेक्शन स्केल एवं पे बैंड-4 की स्क्रीनिंग को 31 जनवरी 2016 तक करने की घोषणाओं को याद दिलाते हुए उनके द्वारा निर्धारित तिथि 31 जनवरी के बाद 2 माह से अधिक समय व्यतीत होने पर भी किसी एक भी घोषणा के पूर्ण नहीं होने पर निराशा एवं असंतोष व्यक्त किया। मंत्रीजी ने बताया कि विधानसभा सत्र की तैयारियों एवं कुछ प्रशासनिक कारणों से उक्त घोषणाएं निर्धारित अवधि में क्रियान्वित नहीं हो सकी है किन्तु सरकार इन्हें शीघ्र पूर्ण करने के लिए कटिबद्ध है। उन्होंने कहा कि प्राचार्य व उपप्राचार्य पदों पर डीपीसी 30 अप्रेल 2016 तक सम्पन्न करवा ली जाएगी। आर. वी. आर.ई. एस. शिक्षकों के सी.ए.एस लाभ हेतु प्रशासनिक स्वीकृति की प्रक्रिया अंतिम चरण में है तथा सीनीयर/सलेक्शन व पे बैंड-4 की स्क्रीनिंग हेतु कार्य चल रहा है। उन्होंने आश्वस्त किया कि वे स्वयं इन समस्याओं में हल में रूचि ले रहे हैं तथा शीघ्र ही अपेक्षित आदेश सामने आयेंगे। मंत्री जी ने बताया कि पूर्व सेवा के लाभ के मामलों, पीएच.डी. दोहरा लाभ प्रकरण आदि मुद्दों को पुनः परीक्षण हेतु वित्त विभाग को भिजवाया जायेगा एवं शीघ्र ही इसका समाधान निकाल लिया जायेगा। अन्य लम्बित समस्याओं को भी प्राथमिकता के अनुसार शिक्षक हित में समाधान करने का मंतव्य उन्होंने प्रकट किया।

4. **राज्य सरकार के अन्य मंत्रियों एवं विधायकों से भेंट** – संगठन के प्रतिनिधिमंडल ने गत 5 मार्च को राज्य के गृहमंत्री श्री गुलाबचन्द कटारिया, संसदीय कार्यमंत्री श्री राजेन्द्र राठौड़, सामाजिक न्याय मंत्री श्री अरुण चतुर्वेदी, शिक्षामंत्री प्रो. वासुदेव देवनानी, भाजपा अध्यक्ष श्री अशोक परनामी सहित अनेक विधायकों से भेंटकर महाविद्यालय शिक्षकों के पदनाम परिवर्तन से संबंधी समस्त पत्रावली प्रस्तुत कर पदनाम परिवर्तन में आ रही प्रशासनिक समस्याओं का समाधान करवाने का आग्रह किया। सभी मंत्रियों एवं विधायकों ने प्रकरण को पूर्ण रूप से अवलोकन कर माननीय मुख्यमंत्रीजी से इस विषय में चर्चा करने का मंतव्य प्रकट किया।

5. **आयुक्त कॉलेज शिक्षा से भेंट** – 5 मार्च को ही संगठन के प्रतिनिधि मण्डल ने आयुक्त कॉलेज शिक्षा श्री अनूप खींची से भेंट कर आयुक्तालय स्तर पर लम्बित शिक्षक समस्याओं के समाधान पर चर्चा की। आयुक्त महोदय ने सभी लम्बित प्रकरणों को सकारात्मक रूख के साथ शीघ्र हल करने हेतु प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त किया।

6. **पदनाम परिवर्तन के लिए मुख्मंत्रीजी के नाम हस्ताक्षर एवं विधायकों के समर्थन पत्र का अभियान** – संगठन ने राज्यपालजी, उच्च शिक्षामंत्रीजी एवं उच्च शिक्षा विभाग के अधिकारियों से देश के विभिन्न राज्यों के पदनाम परिवर्तन आदेशों एवं अन्य दस्तावेजों के साथ अनेक बार भेंट कर राजस्थान में महाविद्यालय शिक्षकों के पदनाम परिवर्तन की मांग की। बहुत कम अतिरिक्त वित्तीयभार होने के बावजूद राज्य सरकार की उदासीनता के कारण महाविद्यालय शिक्षकों का पदनाम नहीं बदल सका है। संगठन पदनाम परिवर्तन की महत्त्वपूर्ण मांग पूर्ण कराने के लिए पूर्णतया कटिबद्ध है। इसी कारण गत 21 फरवरी को प्रांतीय कार्यकारिणी में लिए निर्णय अनुसार सम्पूर्ण राज्य से पदनाम परिवर्तन के लिए इकाईशः मुख्यमंत्री को प्रेषित ज्ञापन पर शिक्षकों के हस्ताक्षर का अभियान हाथ में लिया गया, साथ ही स्थानीय जनप्रतिनिधियों से मिल कर समर्थन पत्र लिखवाना तय किया गया। सभी सक्रिय कार्यकर्ताओं एवं सदस्यों ने पूरी ऊर्जा से इस अभियान में योगदान दिया। परिणामतः 4067 शिक्षकों द्वारा हस्ताक्षरित मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन एवं राज्य के 86 विधायकों के समर्थन पत्र प्राप्त किए गए हैं।

7. **1 जनवरी 2006 से 30 जून 2006 के मध्य अतिरिक्त वेतन वृद्धि संबंधी मुद्दे पर प्रगति** – संगठन द्वारा विभिन्न भेंटवार्ताओं एवं पत्रों के माध्यम से 2-1-2006 से 30-6-2006 के मध्य वार्षिक वेतन वृद्धि वाले शिक्षकों, पुस्तकालाध्यक्षों एवं शारीरिक शिक्षकों को अन्य राज्य कर्मचारियों की भांति एक अतिरिक्त वेतन वृद्धि देने की मांग नियमित रूप से की गई है। इस संबंध में आवश्यक तथ्य एवं दस्तावेज भी संगठन ने विभाग को उपलब्ध करवाए हैं। उच्च शिक्षा विभाग एवं

वित्त विभाग के मध्य इस संबंध में लगातार संवाद चला है। उसी क्रम में अब वित्त विभाग ने 2-1-2006 से 30-6-2006 के मध्य वार्षिक वेतनवृद्धि वाले अधिकारियों की संख्या एवं अनुमानित वित्तीय भार का आंकड़ा मांगा है। संगठन को विश्वास है कि इस प्रक्रिया के पश्चात् इस मामले को अब और न खींचते हुए सरकार संबंधित शिक्षकों को उनका वित्तीय अधिकार शीघ्र प्रदान करेगी।

8. **रिक्त पदों पर भर्ती हेतु संगठन के प्रयास** - संगठन द्वारा उच्च शिक्षा मंत्रीजी एवं विभाग के अधिकारियों से विभिन्न भेंटवार्ताओं एवं पत्रों के माध्यम से शिक्षकों सहित अन्य रिक्त पदों पर भर्ती करने हेतु दबाव बनाया है। संगठन के प्रयासों की परिणति में लोक सेवा आयोग द्वारा विभिन्न विषयों में शिक्षकों की भर्ती प्रक्रिया प्रारम्भ हुई है। इसके अतिरिक्त 1-4-2015 से 31-3-2016 तक सेवानिवृत्ति एवं अन्य कारणों में रिक्त हुए व्याख्याताओं के 194 पदों पर भर्ती करने की मांग भी संगठन ने की है। संगठन की मांग पर विभाग ने 194 पदों की अभ्यर्थना लोक सेवा आयोग को भिजवाने से पूर्व वित्त विभाग की सहमति प्राप्त करने हेतु पत्रावली राज्य सरकार को भिजवा दी है। मंत्रायलिक वर्ग के कार्मिकों की गहन कमी से लगभग सभी महाविद्यालय जूझते रहे हैं। संगठन के लगातार प्रयासों के चलते उच्च शिक्षा विभाग ने अब लिपिक ग्रेड-द्वितीय के 192 पदों, प्रयोगशाला सहायकों के 175 पदों, शीघ्रलिपिक के 16 पदों हेतु अर्थना प्रशासनिक सुधार विभाग को भिजवा दी है।
महाविद्यालयों में पुस्तकालाध्यक्षों एवं शारीरिक शिक्षकों की भर्ती भी लम्बे समय से नहीं हुई है। अधिकांश महाविद्यालयों में इस कारण खेल एवं पुस्तकालय गतिविधियाँ बुरी तरह प्रभावित हो रही हैं। संगठन ने लगातार इस विषय को लेकर सरकार पर दबाव बनाया है। संगठन को इस संबंध में सरकार ने बताया है कि पुस्तकालाध्यक्षों के 129 पदों एवं शारीरिक शिक्षकों के 147 पदों हेतु सेवा नियमों में संशोधन की प्रक्रिया अंतिम चरण में है, सेवा नियमों में संशोधन होने के बाद शीघ्र ही भर्ती प्रक्रिया प्रारंभ की जाएगी।

9. **पे बैंड-4 में पदोन्नत शिक्षकों की वार्षिक वेतन वृद्धि संबंधी अनुचित आदेश वापस लिया जाए** - आयुक्तालय कॉलेज शिक्षा ने क्रमांक एफ 25(जे) (1) वेतन स्थिरीकरण/2010-11/562-570 दिनांक 29-1-2016 द्वारा पे बैंड-4 में पदोन्नत शिक्षकों को 1 जुलाई को पे बैंड-4 में 6 माह से कम की अवधि होने पर एक वर्ष पश्चात् आगामी 1 जुलाई को वेतनवृद्धि देने के आदेश प्रसारित किए हैं। इस आदेश का विरोध करते हुए एवं इसे अनुचित बताते हुए संगठन द्वारा इसे वापिस लेने की मांग की गई है। संगठन ने सरकार को बताया है कि वित्त विभाग ने RCS Revised Pay Rules 2008 के नियमों में स्पष्ट किया गया है कि जनवरी से जून के मध्य पदोन्नत कार्मिक की वेतनवृद्धि दिनांक में कोई परिवर्तन नहीं होगा एवं उसे अगली वेतन वृद्धि उसी वर्ष 1 जुलाई को दी जायेगी इसके बावजूद तथा आदेश जारी करने हेतु सक्षम न होने के बाद भी नियमों की गलत व्याख्या कर इस तरह का आदेश जारी करना सरासर अनुचित है। उच्च शिक्षा मंत्रीजी ने संगठन की मांग पर उचित कार्यवाही करने के निर्देश आयुक्त कॉलेज शिक्षा को दे दिये हैं। संगठन को विश्वास है कि शीघ्र ही शिक्षकहित में इस आदेश को वापिस लिया जाएगा।

10. **पूर्व अनुदानित महाविद्यालयों में सेवा अवधि के एरियर व अन्य बकाया का भुगतान शीघ्र किया जाए** - राज्य सरकार ने आर.वी.आर.ई.एस. 2010 के तहत अनुदानित महाविद्यालय के शिक्षकों को राज्य सेवा में समायोजित करते समय पूर्व अनुदानित पद की सेवा अवधि के छठे वेतनमान का एरियर एवं जमा उपार्जित अवकाश के नगदीकरण के लिए किसी भी प्रकार का प्रावधान नहीं किया। इस संदर्भ में संगठन बार-बार पत्रों एवं भेंटवार्ताओं में अनुदानित पद की सेवा अवधि के समस्त बकाया के भुगतान की मांग करता आ रहा है। गत 6 नवम्बर 2015 को डी. बी. उच्च न्यायालय जयपुर ने विशेष याचिका सं. 663/2015 व 664/2015 आदि के निर्णय में राज्य सरकार को निर्देशित किया है कि छठे वेतनमान का एरियर, अवकाश नगदीकरण आदि अनुमोदित व्यय का हिस्सा है एवं राज्य सरकार को अनुदानित महाविद्यालय की सेवा अवधि के लिए सेवानिवृत्त, आर.वी.आर.ई.एस. 2010 में समायोजित या नौकरी छोड़ चुके सभी शिक्षकों एवं कर्मचारियों की अनुदानित पद की सेवा अवधि के अनुमोदित व्यय पर नियमानुसार अनुदान देना होगा। संगठन ने राज्य सरकार से आग्रह किया कि प्रतिष्ठा का प्रश्न ना बनाते हुए न्यायालय के निर्णय का सम्मान किया जाए। इसके बाद भी राज्य सरकार ने इस निर्णय के

विरुद्ध उच्चतम न्यायालय में अपील की जो कि गत 28 मार्च 2016 को खारिज कर दी गई। संगठन ने पुन: राज्य सरकार से पत्र लिख कर मांग की है कि राज्य सरकार इस मुद्दे को व्यर्थ ही न्यायालय का प्रकरण न बना कर माननीय उच्चतम न्यायालय के आदेश की पालना करे एवं कार्मिकों के व्यापक हित में अनुदानित पद की सेवा अवधि के छठे वेतनमान एरियर, अवकाश नगदीकरण आदि हेतु शीघ्र अनुदान जारी करे। साथ ही राज्य सरकार प्रबंध समितियों को भी बाध्य करे कि वे शिक्षकों की अनुदानित पद की सेवा अवधि पर नियमानुसार ग्रेच्युटी का भी भुगतान करें।

इसके साथ ही यह बात भी पुन: ध्यान में लाई गई कि आर.वी.आर.ई.एस. 2010 नियमों में अनुदानित पद की सेवा अवधि में अर्जित मेडिकल अवकाश के बारे में कोई उल्लेख नहीं है। आर.वी.आर.ई.एस. 2010 में समायोजित अधिकांश शिक्षक एवं कार्मिक उम्र के उस पडाव पर हैं जहाँ सामाजिक दायित्व निर्वहन एवं स्वयं के स्वास्थ्य आदि कारणों के लिए उन्हें अवकाश की आवश्यकता रहती है। राज्य सेवा अवधि कम होने से उक्त शिक्षकों को अवकाश की कमी होने से अनेक बार शिक्षकों एवं कार्मिकों को मानसिक वेदना से गुजरना पड़ता है। अत: मानवीय संवेदनाओं एवं कर्मचारी-हित में समायोजित शिक्षकों/कार्मिकों की अनुदानित सेवा अवधि के मेडिकल अवकाश राज्य सेवा में अग्रनित किया जायें।

11. **पुस्तकालाध्यक्षों एवं शारीरिक शिक्षकों को वरिष्ठ/चयनित वेतनमान एवं पे-बैंड-4 के लाभ देने की प्रक्रिया प्रारम्भ** - संगठन लम्बे समय से पुस्तकालाध्यक्षों एवं शारीरिक शिक्षकों को महाविद्यालय शिक्षकों के समान वरिष्ठ, चयनित वेतनमान एवं पे बैंड-4 के लाभ देने की मांग करता आ रहा है। संगठन के प्रयासों से आयुक्तालय कॉलेज शिक्षा ने छठे वेतनमान के अनुरूप 31-12-2008 के बाद पात्र पुस्तकालाध्यक्षों एवं शारीरिक शिक्षकों को वरिष्ठ/चयनित वेतनमान एवं पे बैंड-4 का लाभ देने के लिए कार्यवाही प्रारम्भ कर दी है। आशा है कि पुस्तकालाध्यक्षों एवं शारीरिक शिक्षकों को शीघ्र ही सी.ए.एस. का लाभ प्रदान कर दिया जाएगा।

12. **निदेशक (अकादमी) के पद पर शिक्षक की नियुक्ति के संबंध में** - आदेश क्रमांक (30) शिक्षा-3/2009 दिनांक 5 अप्रेल 2010 द्वारा निदेशक (अकादमी) पद का सृजन करने के बाद भी शिक्षक का पदस्थापन नहीं करने के संबंध में संगठन ने लगातार कठोर शब्दों में प्रतिक्रिया करते हुए इस पद पर वरिष्ठतम शिक्षक के पदस्थापन की मांग की। संगठन के प्रयास सफलता की ओर एक कदम बढ़े हैं। राजस्थान शिक्षा सेवा (महाविद्यालय शाखा) सेवा नियम 86 में निदेशक (अकादमी) का पद सम्मिलित करने हेतु कार्मिक विभाग को फाइल भिजवाई गई है। संगठन को आशा है कि शीघ्र ही संशोधन उपरांत अपेक्षित कार्यवाही होगी।

13. **राज्य उच्चतर शिक्षा परिषद् का गठन** - संगठन द्वारा राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान के अन्तर्गत शिक्षाविदों से युक्त राज्य उच्चतर शिक्षा परिषद् का गठन करने हेतु दबाव बनाया गया था। प्रसन्नता का विषय है कि राज्य सरकार ने राज्य उच्चतर शिक्षा परिषद् का गठन कर दिया है। संगठन को विश्वास है कि इससे राज्य के उच्च शिक्षण संस्थानों के संरचनात्मक एवं शैक्षणिक स्तर में गुणात्मक वृद्धि होगी।

14. **आर.वी.आर.ई.एस. 2010 के तहत राज्य सेवा में नियुक्ति का विकल्प नहीं देने वाले शिक्षकों के पद पर अनुदान दिया जाए** - आर.वी.आर.ई.एस. 2010 में अनुदानित महाविद्यालय से राजकीय महाविद्यालय में नियुक्ति का विकल्प कुछ शिक्षक साथियों द्वारा नहीं दिया गया एवं वे पूर्व अनुदानित संस्था में ही कार्यरत रहे। राज्य सरकार ने सभी पूर्व अनुदानित शिक्षक संस्थाओं का अनुदान 15 फरवरी 2012 से बंद कर दिया जिससे उन शिक्षक साथियों के वेतन भुगतान का संकट उत्पन्न हो गया। संगठन ऐसे शिक्षक साथियों के पदों पर उनकी सेवानिवृत्ति तक अनुदान प्रारम्भ करने की मांग करता आया है। हाल ही में उक्त प्रकरण में उच्चतम न्यायालय द्वारा राज्य सरकार की अपील को खारिज करने के बाद संगठन ने पुन: सरकार को न्यायालय के आदेशों की प्रति प्रस्तुत करते हुए ऐसे शिक्षक साथी जिन्होंने आर.वी.आर.ई.एस. 2010 में राज्य सेवा का विकल्प नहीं दिया, उनके पदों पर अनुदान शीघ्र प्रारंभ करने की मांग की है।

15. **उत्तर पुस्तिका मूल्यांकन पारिश्रमिक के समय पर भुगतान के संबंध में** - संगठन ने माननीय राज्यपाल महोदय तथा सभी शासकीय विश्वविद्यालयों के माननीय कुलपतियों को पत्र लिख कर सैद्धान्तिक एवं प्रायोगिक परीक्षाओं की उत्तर पुस्तिका

मूल्यांकन का पारिश्रमिक भुगतान प्राचार्य/समन्वयक स्तर पर कार्य पूर्ण होते ही करने के निर्देश जारी करने का आग्रह किया है। संगठन ने इस संबंध में समन्वयक/प्राचार्य को पूरी अग्रिम राशि भिजवाने की मांग की है।

16. **व्यक्तिगत/स्थानीय समस्याओं के समाधान के प्रयास** - गौरी देवी कन्या महाविद्यालय में जी.पी.ई.एम. विभाग में निदेशालय के पत्र क्रमांक एफ 4(340) दिनांक 1-1-2008 के द्वारा स्थानांतरित एक पद को वर्तमान कार्यभार के आधार पर पुन: सृजित/स्थानांतरित करने हेतु संगठन ने सरकार से आग्रह किया है। संगठन के प्रयासों से आयुक्तालय कॉलेज शिक्षा द्वारा दिनांक 10-11-2015 को आदेश जारी कर 180 व्याख्याताओं को पे बैंड-4 में पदोन्नत किया था, किन्तु कुछ व्याख्याताओं को बजट अभाव में एरियर राशि का भुगतान नहीं किया गया। संगठन ने सरकार को अविलम्ब बजट उपलब्ध करवा कर पात्र शिक्षकों को एरियर राशि भुगतान करने की मांग की है। डॉ. रामावतार जांगिड़ राजर्षि महाविद्यालय अलवर का स्थानांतरण बिना उनके द्वारा आवेदन किये 6-1-2011 को आदेश जारी कर गृहजिले अलवर से शाहपुरा किया गया था किन्तु उन्हें इस हेतु यात्रा भत्ता व योगकाल नहीं दिया गया। संगठन ने प्राथमिकता के आधार पर इस मामले को निस्तारित कर प्रो. जांगिड़ को नियमानुसार यात्रा भत्ता व योगकाल देने का निवेदन किया है। राजकीय महाविद्यालय जोधपुर सहित कुछ महाविद्यालयों में नवम्बर व दिसम्बर 2015 के वेतन हेतु बजट स्वीकृत नहीं होने से शिक्षकों को आ रही वित्तीय कठिनाईयों के समाधान हेतु उच्च शिक्षा मंत्रीजी से हस्तक्षेप कर बजट जारी करवाने की मांग संगठन ने की।

सांगठनिक एवं वैचारिक कार्यक्रम

1. **प्रदेश भर में कर्त्तव्य बोध कार्यक्रम सम्पन्न** - शैक्षिक महासंघ के आह्वान पर प्रदेश की योजनानुसार कर्त्तव्य बोध दिवस कार्यक्रम 12 जनवरी से 23 जनवरी के मध्य इकाई स्तर तक सम्पन्न किये गए।

राजकीय कन्या महाविद्यालय, **नाथद्वारा** में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य वक्ता जैन मुनि श्री भूपेन्द्रकुमार जी ने देश के समग्र विकास में प्रत्येक नागरिक द्वारा अधिकार से पहले कर्त्तव्य पालन का आह्वान किया। अध्यक्षता प्राचार्य रामजीलाल शर्मा ने की। कार्यक्रम की प्रस्तावना डॉ. भवशेखर ने रखी जबकि धन्यवाद प्रो. राकेश दशोरा ने व्यक्त किया। राजकीय महाविद्यालय, **केकड़ी** में मुख्य वक्ता के रूप में उद्‌बोधन देते हुए अ. भा. रा. शैक्षिक महासंघ के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष श्री बजरंगप्रसाद मजेजी ने कहा कि सभी धर्मों का सार मनुष्यों को सर्वत्र समानता से देखने की प्रेरणा प्रदान करता है। नागरिकों के कर्त्तव्य बोध से ही समाज व राष्ट्र विकसित हो सकता है। अध्यक्षता कार्यवाहक प्राचार्य प्रो. एस. एल. बैरवा ने की। विषय प्रवर्तन डॉ. पवन चंचल ने किया तथा संचालन प्रो. विनयकुमार शर्मा ने किया। सम्राट पृथ्वीराज चौहान राजकीय महाविद्यालय, **अजमेर** में मुख्यवक्ता के रूप में शैक्षिक मंथन के सम्पादक प्रो. संतोष पाण्डेय ने सम्पूर्ण निष्ठा एवं लगन से किए गए कार्य को सफलता का मूल मंत्र बताया। कार्यक्रम में संभाग संगठन मंत्री डॉ. सुशीलकुमार बिस्सू ने विषय प्रवर्तन किया एवं संचालन इकाई सचिव डॉ. लीलाधर सोनी ने किया। राजकीय महाविद्यालय, **जैसलमेर** में मुख्य वक्तव्य देते हुए श्री त्रिलोकचन्द खत्री ने कहा कि यदि मनुष्य अपने जीवन में गीता की शिक्षाओं को उतारे तो कर्त्तव्य निर्वहन के लिए कानून की आवश्यकता नहीं रहेगी। कार्यक्रम में विभाग अध्यक्ष प्रो. लक्ष्मीनारायण नागौरी तथा विभाग सचिव प्रो. नेमीचन्द गर्ग ने भी विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य प्रो. जे. के. पुरोहित ने की। राजकीय महाविद्यालय, **कपासन** में संघ जिला कार्यवाह श्री दिनेश भट्‌ट ने अपने उद्‌बोधन में कर्त्तव्यों का भी समर्पण भाव से निर्वाह करने का आह्वान् किया। राजकीय महाविद्यालय, **अनूपगढ़** में मुख्य अतिथि स्वामी शिवचैनगिरीजी रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. सत्यनारायण शर्मा ने की। इस अवसर पर डॉ. हरमिन्दरसिंह, डॉ. प्रतापसिंह शेखावत व प्रो. बजरंगसिंह नरुका ने भी अपने विचार व्यक्त किये। राजकीय महाविद्यालय, **टोंक** में कर्त्तव्य बोध दिवस कार्यक्रम राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के जिला प्रचारक श्री नरेशजी के आतिथ्य में सम्पन्न हुआ।

राजकीय महाविद्यालय, **दौसा** में म.द.स. विश्वविद्यालय अजमेर के पूर्व कुलपति प्रो. पुरुषोत्तमजी चतुर्वेदी का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। उन्होंने कहा कि राष्ट्र के परम वैभव प्राप्ति के लिए आवश्यक है कि शिक्षक चारित्रिक शुचिता के साथ कर्त्तव्य

निर्वहन करे। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. अमिता गिल ने की तथा संचालन डॉ. शिवशरण कौशिक ने किया। राजकीय महाविद्यालय, **सवाईमाधोपुर** में कार्यक्रम श्री गोकुलचन्द गोयल के मुख्य आतिथ्य में सम्पन्न हुआ। राजकीय लोहिया महाविद्यालय, **चुरु** में आयोजित कर्त्तव्य बोध कार्यक्रम में रुक्टा (राष्ट्रीय) के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिग्विजयसिंह शेखावत ने शिक्षकों से विद्यार्थियों के साथ उनके अभिभावक की तरह व्यवहार कर व्यक्तित्व निर्माण करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य डॉ. सुरेन्द्र डी. सोनी, इकाई अध्यक्ष डॉ. एन. एल. आर्य ने भी विचार व्यक्त किये। मंच संचालन डॉ. भवानीशंकर शर्मा ने किया। **अलवर** की स्थानीय इकाईयों का संयुक्त कार्यक्रम राजकीय महाविद्यालय, अलवर में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्यवक्ता संगठन महामंत्री ने कहा कि शिक्षकों को स्वयं के कर्त्तव्यों के प्रति निष्ठावान होने के साथ ही पूरे समाज को कर्त्तव्यों के प्रति जागरूक करना चाहिए। कार्यक्रम में संयुक्त मंत्री डॉ. गंगाश्याम गुर्जर, विभाग सचिव डॉ. कर्मवीर सिंह, विभाग सहसचिव डॉ. अजय वर्मा, विभाग महिला प्रतिनिधि डॉ. ऋतु गुप्ता, विधि प्रकोष्ठ संयोजक डॉ. उषा यादव सहित लगभग 90 प्राध्यापक उपस्थित थे। राजकीय वाणिज्य महाविद्यालय, **कोटा** में आयोजित कार्यक्रम के मुख्य वक्ता रा. स्व. संघ कोटा विभाग संघचालक श्री ब्रजमोहन शर्मा ने अपने उद्‌बोधन में शिक्षक समुदाय से अपनी क्षमताओं को पहचानते हुए समाज कल्याण में भूमिका निभाने का आह्वान किया। राजकीय महाविद्यालय, **श्रीगंगानगर** में कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विवेक आश्रम के संत स्वामी अनंतानंदजी ने अनुशासित जीवन जीने पर बल दिया। राजकीय महाविद्यालय, **नसीराबाद** में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि श्री महावीर वर्मा रहे। उन्होंने अपने उद्‌बोधन में राष्ट्र व समाज की प्रगति एवं उन्नति के लिए विद्यार्थियों के साथ-साथ शिक्षकों के चरित्र निर्माण को आवश्यक बताया। विषय प्रवर्तन विभाग सचिव प्रो. अनिल गुप्ता ने एवं संचालन इकाई सह-सचिव डॉ. कमलेश रावत ने किया। राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, **झालावाड़** में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य वक्ता आर्ट आफ लिविंग बैंगलुरु के श्री राजेश जोशी ने कर्त्तव्यनिष्ठ व्यक्तियों के जीवन प्रसंगों के विभिन्न उदाहरण प्रस्तुत कर कर्त्तव्य परायणता को जीवन की सबसे बड़ी आत्म संतुष्टि बताया। कार्यक्रम में विभाग सचिव डॉ. गजेन्द्र कुमार मालवीय ने विषय प्रवर्तन किया। राजकीय महाविद्यालय, **कोटा** में आयोजित कार्यक्रम के मुख्यवक्ता साहित्यकार श्री जितेन्द्र निर्मोही ने समाजहित व राष्ट्रहित को सर्वोपरि बताते हुए समाजहित में स्व-हित त्यागने का आग्रह किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. टी. सी. लोया ने की। स्वागत भाषण डॉ. विजय पंचोली ने दिया तथा विषय प्रवर्तन डॉ. गीताराम शर्मा ने किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. आदित्य गुप्ता ने एवं आभार प्रो. रामावतार मेघवाल ने व्यक्त किया।

राजकीय महाविद्यालय, **बांदीकुई** में कार्यक्रम प्रो. घनश्याम लाल जी के मुख्य आतिथ्य में सम्पन्न हुआ। उन्होंने कहा कि चरित्रवान शिक्षक ही चरित्रवान समाज का निर्माण कर सकता है। कार्यक्रम में विषय प्रवर्तन विभाग अध्यक्ष डॉ. हनुमान सहाय कुम्हार ने किया। राजकीय महिला महाविद्यालय, **चौमूं** में मुख्य वक्ता प्रो. राधेश्याम अग्रवाल रहे। राजकीय महाविद्यालय, **सरदार शहर** में कर्त्तव्य बोध दिवस पर बस्सी संघचालक डॉ. अशोककुमारजी का पाथेय प्राप्त हुआ। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति में कर्त्तव्यों को अधिकारों से ऊपर रखा गया है अत: हमें अपनी संस्कृति के अनुरूप अपने कर्त्तव्यों का निर्वहन पूर्ण निष्ठा से करना चाहिए। विभाग के सहसचिव डॉ. देवीशंकर शर्मा ने विषय प्रवर्तन किया। संचालन इकाई सचिव प्रो. सोहनलाल ने एवं आभार इकाई सचिव डॉ. कविता शर्मा ने व्यक्त किया।

राजकीय कन्या महाविद्यालय, **कोटपूतली** में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य वक्ता माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान के पूर्व अध्यक्ष डॉ. भरतराम कुम्हार रहे। उन्होंने शिक्षकों से विद्यार्थियों को संस्कारवान एवं राष्ट्रवादी बनाने में सक्रिय भागीदारी करने का आह्वान् किया। राजकीय महाविद्यालय, **पुष्कर** में मुख्यवक्ता संभाग संगठनमंत्री डॉ. सुशीलकुमार बिस्सू ने संस्कारवान समाज बनाने के दायित्व का बोध करवाते हुए सभी शिक्षकों एवं विद्यार्थियों से देश व समाज के सर्वांगीण विकास में सक्रिय योगदान देने का आह्वान् किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अशोक मिश्रा ने किया। राजकीय महाविद्यालय, **सिरोही** में संभाग संगठनमंत्री डॉ. हरिसिंह राजपुरोहित के सान्निध्य में कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में प्राचार्य डॉ. उदयसिंह मीना, विभाग सचिव डॉ. संजय पुरोहित, डॉ. के. के. शर्मा, डॉ. उषा चौहान ने भी कर्तव्य पालन के महत्व पर

अपने विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम का संचालन इकाई सचिव प्रो. कैलाश गहलोत ने किया। श्री गोविन्द गुरु राजकीय महाविद्यालय, **बांसवाड़ा** में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यवक्ता श्री जयन्त द्विवेदी ने स्वामी विवेकानंद के जीवन दृष्टान्तों को उल्लेखित करते हुए विकास में युवाओं की भागीदारी को आवश्यक बताया। उन्होंने कहा कि शिक्षक ही युवापीढ़ी का सतत् मार्गदर्शन कर सकता है। कार्यक्रम में डॉ. महीपालसिंह, डॉ. पी. पी. पालीवाल, डॉ. राजेश जोशी भी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. मनोज पंड्या ने किया। मीरा कन्या महाविद्यालय, **उदयपुर** में आयोजित कार्यक्रम के मुख्य वक्ता प्रो. आर. पी. जोशी थे। राजकीय महाविद्यालय, **किशनगढ़** में संगठन महामंत्री ने अपने उद्‌बोधन में ऐसी सोच विकसित करने पर बल दिया, जिसमें व्यक्ति परिवार को समाज से एवं समाज को राष्ट्र से जोड़े। विषय प्रवर्तन डॉ. ओमप्रकाश शर्मा एवं धन्यवाद इकाई सचिव डॉ. रामस्वरूप साहू ने किया। राजकीय कन्या महाविद्यालय, **बून्दी** में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यवक्ता श्री सत्यप्रकाश मीणा ने कहा कि इतिहास गवाह है कि विश्व में सफलतम व्यक्तियों की सफलता का आधार केवल नि:स्वार्थ कर्त्तव्य परायणता ही रही है। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. कमलेश शर्मा ने की एवं धन्यवाद इकाई सचिव डॉ. देवीप्रकाश त्रिपाठी ने ज्ञापित किया।

राजकीय महाविद्यालय, **सीकर** में कर्त्तव्य बोध दिवस कार्यक्रम पर संगठन मंत्री डॉ. ग्यारसीलाल जाट, अध्यक्ष डॉ. दिग्विजयसिंह एवं महामंत्री ने विचार व्यक्त किये। राजकीय महाविद्यालय, **चिमनपुरा** में आयोजित कर्त्तव्य बोध दिवस कार्यक्रम शैक्षिक मंथन पत्रिका के प्रधान सम्पादक प्रो. संतोष पाण्डेय के मुख्य आतिथ्य एवं प्राचार्य डॉ. पी. के. वर्मा की अध्यक्षता में मनाया गया। कार्यक्रम में डॉ. सरस्वती मित्तल, प्रो. ओ. पी. पारीक एवं डॉ. सूरजमल चांदोलिया ने भी विचार व्यक्त किये। राजकीय कन्या महाविद्यालय, **शाहपुरा** (जयपुर) में आयोजित कार्यक्रम में प्राचार्य डॉ. अनामिकासिंह, इकाई सचिव डॉ. गीता गर्ग एवं डॉ. संध्या भटनागर ने विचार व्यक्त किये। राजकीय कन्या महाविद्यालय, **खैरवाड़ा** में प्राचार्य डॉ. निर्मल गर्ग की अध्यक्षता में कार्यक्रम सम्पन्न हुआ जिसमें डॉ. सुमन राठौड़ एवं डॉ. मंजु शर्मा ने भी अपने विचार व्यक्त किये। राजकीय महाविद्यालय, **रतनगढ़** में आयोजित कार्यक्रम के मुख्यवक्ता संगठन अध्यक्ष डॉ. दिग्विजयसिंह रहे। अध्यक्षता प्राचार्य प्रो. बी.एम. सचदेवा ने की। इस अवसर पर डॉ. आर. एस. शक्तावत, प्रो. परमेश्वरी ढ़ाका, डॉ. कल्पना राठौड़ ने विचार प्रस्तुत किये। कार्यक्रम का संचालन प्रो. आर. के. जिनरा ने किया। राजकीय कन्या महाविद्यालय, **दौसा** में आयोजित कार्यक्रम के मुख्यवक्ता प्राचार्य डॉ. शंकरलाल शर्मा रहे। इस अवसर पर विभाग सहसचिव डॉ. राकेश शर्मा ने विषय प्रतिपादित किया। इकाई सचिव डॉ. सतीश सिंघल ने आभार व्यक्त किया। श्री कृष्ण संत्सग बालिका महाविद्यालय, **सीकर** में कर्त्तव्य बोध दिवस पर निदेशक डॉ. गोरधन सिंह शेखावत ने शिक्षकों से कुम्हार की भांति सुयोग्य विद्यार्थी निर्माण करने के कर्त्तव्य पालन का आह्वान किया। प्राचार्य डॉ. सम्पत शर्मा ने आभार व्यक्त किया। राजकीय कन्या महाविद्यालय, **सीकर** में आयोजित कार्यक्रम के मुख्यवक्ता सीकर विश्वविद्यालय के उप-कुलसचिव डॉ. रामावतार जाट ने देशभक्ति एवं सेवा को आधार बनाकर पूर्ण ईमानदारी से अपने कर्त्तव्य निर्वहन करने का संदेश दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य प्रो. मीरजाफर कुरैशी ने की एवं संचालन विभाग अध्यक्ष डॉ. आर.एस. अहीर ने किया।

राजकीय महाविद्यालय, **नोहर** में कर्तव्य बोध कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री पुरुषोत्तम शर्मा जिला व्यवस्थापक आदर्श विद्या मंदिर रहे। इस अवसर पर तहसील कार्यवाह श्री रमेश पारीक एवं प्राचार्य श्रीमती वीणा ने भी कर्तव्य पालन का महत्व रेखांकित किया। विषय प्रवर्तन विभाग सचिव प्रो. अमरसिंह ने किया तथा आभार इकाई सचिव डॉ. संजीव बंसल ने व्यक्त किया। राजकीय कन्या महाविद्यालय, **डूंगरपुर** में कर्तव्य बोध दिवस के मुख्य अतिथि विधायक देवेन्द्र कटारा थे। अध्यक्षता श्री के. के. गुप्ता ने की। इस अवसर पर डॉ. दीपक शाह, डॉ. एम. एल. खत्री, डॉ. विवेक मण्डोत एवं डॉ. जी. वी. मिश्रा ने भी विचार व्यक्त किये। राजकीय महाविद्यालय, **सिकराय** में मुख्यवक्ता प्राचार्य प्रो. रामावतार गुप्ता रहे। संचालन इकाई सचिव डॉ. सविता गोयल ने किया एवं धन्यवाद प्रो. सुशील बसवाल ने ज्ञापित किया। राजकीय महाविद्यालय, **बूंदी** में विषय प्रवर्तन विभाग सहसचिव डॉ. राहुल सक्सेना ने किया। कार्यक्रम में डॉ. पी. के. सलोदिया, डॉ. पूर्णचन्द्र उपाध्याय एवं डॉ. दिनेश

शुक्ला ने भी विचार रखे। राजकीय महाविद्यालय, **बारां** में मुख्य वक्ता श्री प्रमोद कुमार शर्मा ने कहा कि जब तक हम अधिकारों के साथ कर्तव्यों को नहीं निभाएंगे तब तक परम वैभव पर नहीं पहुँच सकते हैं। कार्यक्रम में विभाग अध्यक्ष प्रो. के. एम. मीना, विभाग सहसचिव डॉ. सतीश अग्रवाल, इकाई सचिव डॉ. बी. एल. जांगिड़, सहसचिव प्रो. रामकेश मीना आदि ने भी विचार प्रकट किए।

2. **शिक्षण संस्थानों में देश विरोधी घटनाओं का विरोध** – पिछले दिनों जवाहरलाल नेहरु विश्वविद्यालय, नई दिल्ली एवं जाधवपुर विश्वविद्यालय, कोलकता में देश विरोधी घटनाओं एवं उसके बाद अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर कतिपय शिक्षक संगठनों एवं तथाकथित बुद्धिजीवियों द्वारा जिस निर्लज्जता द्वारा इनका समर्थन किया गया। इसे संज्ञान में लेते हुए केन्द्र के आह्वान पर रुक्टा (राष्ट्रीय) की प्रदेश कार्यकारिणी ने इस प्रकार की घटनाओं एवं उनके समर्थन की निंदा करते हुए रैली एवं संगोष्ठियों के माध्यम से जन-जागरण करना तय किया। इस श्रृंखला में राजकीय महाविद्यालय, राजकीय कन्या महाविद्यालय, वाणिज्य महाविद्यालय, विधि महाविद्यालय सहित **कोटा** के समस्त महाविद्यालयों, कोटा विश्वविद्यालय, तकनीकी विश्वविद्यालय एवं वर्धमान खुला विश्वविद्यालय के शिक्षकों ने जे.एन.यू. दिल्ली एवं जाधवपुर विश्वविद्यालय में हुई राष्ट्र विरोधी घटनाओं के विरोध में मौन जुलुस निकाला एवं जिला कलेक्टर के माध्यम से राष्ट्रपतिजी को ज्ञापन प्रेषित कर दोषियों पर कठोर कार्यवाही की मांग की। रैली में प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य डॉ. मंजू गुप्ता, विभाग अध्यक्ष डॉ. विजय पंचोली, सचिव डॉ. गीताराम शर्मा, डॉ. एम. एल. साहू, डॉ. एस. एन. गर्ग, डॉ. बी. बी जैमिनी, डॉ. मीनू माहेश्वरी, प्रो. पी. के. शर्मा, डॉ. नारायण लाल हेड़ा सहित लगभग 300 शिक्षक मौजूद थे। **सीकर** में रुक्टा (राष्ट्रीय) के सक्रिय सहयोग में सीकर प्रबुद्ध मंच के बैनर तले कृष्णा सत्संग भवन से तापड़िया बगीची तक मौन जुलूस निकाल कर कतिपय शिक्षण संस्थानों में हुई देश विरोधी घटनाओं के प्रति आक्रोश व्यक्त किया गया तथा इस तरह की प्रवृत्तियों पर कठोर कार्यवाही करने हेतु राष्ट्रपति के नाम प्रेषित ज्ञापन को जिला कलेक्टर को सौंपा गया।

राजकीय महाविद्यालय, **अजमेर** में आयोजित संगोष्ठी में मुख्यवक्ता संगठन महामंत्री ने कहा कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर कुछ राष्ट्रविरोधी तत्व देश की गरिमा एवं संविधान का अपमान कर रहे हैं। हम समस्त शिक्षक वर्ग को भारत की एकता एवं अखण्डता के लिए प्रतिबद्ध होकर ऐसे राष्ट्रविरोधी तत्वों पर अंकुश लगाना होगा। संगोष्ठी में डॉ. मनोज अवस्थी, डॉ. सुनिता पचौरी, डॉ. कायद अली, डॉ. मनोज यादव ने भी विचार व्यक्त किए। विषय प्रवर्तन डॉ. सुशील कुमार बिस्सू ने किया। जे.एन.यू. में लगे राष्ट्र विरोधी नारों के विरोध में अजमेर के 'ग्रुप ऑफ इंटलेक्चुअल्स' द्वारा आयोजित विशाल मौन जूलूस में रुक्टा (राष्ट्रीय) की अग्रणी भूमिका रही तथा जूलूस में संगठन के 250 से अधिक शिक्षकों ने भाग लिया।

बीकानेर में आयोजित 'अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता एवं राष्ट्रीय एकता' विषय पर आयोजित संगोष्ठी में मुख्यवक्तव्य देते हुए श्री जसवंत खत्री ने कहा कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता कभी भी राष्ट्रीय एकता को चुनौती नहीं दे सकती। ऐसे व्यक्ति जो राष्ट्रीय एकता को चुनौती देते हुए देश विरोधी कार्यों में लिप्त हैं उनके विरुद्ध सम्पूर्ण देश को विचारधाराओं से उपर उठकर एकजुट होने की आवश्यकता है। संगोष्ठी में बीकानेर विश्वविद्यालय की कुलपति डॉ. चन्द्रकला पड़िया, महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. बेला भनोत, तकनीकी महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. देवाराम, डॉ. विक्रमजीत, डॉ. प्रकाश आचार्य, डॉ. राजनारायण व्यास ने भी विचार व्यक्त किये। प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिग्विजयसिंह ने विषय प्रवर्तन किया एवं मंच संचालन डॉ. सुरेन्द्र राठी ने किया।

राजकीय महाविद्यालय, **सूरतगढ़** में आयोजित संगोष्ठी में प्रान्तीय अध्यक्ष डॉ. दिग्विजयसिंह ने अपने उद्‌बोधन में देश की अखण्डता एवं एकता को सर्वोपरि बताते हुए देश के सम्मान से खिलवाड़ करने वाले राष्ट्रविरोधी तत्वों पर कठोर कार्यवाही करवाने की मांग की। संगोष्ठी में डॉ. हनुमान शर्मा ने भी विचार व्यक्त किए। संचालन इकाई सचिव डॉ. पूनम ने किया।

भीलवाड़ा में रुक्टा (राष्ट्रीय) एवं भारत विकास परिषद् के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित संगोष्ठी के मुख्यवक्ता संगठन महामंत्री ने कहा कि अभिव्यक्ति की आजादी के नाम पर राष्ट्रद्रोह बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अभिव्यक्ति की आजादी की आड़ में देश की छवि धूमिल करने वालों के खिलाफ कठोर कार्यवाही होनी चाहिए। संगोष्ठी को डॉ. श्याम सुन्दर भट्ट, प्राचार्य डॉ. बी. एल. मालवीय, डॉ. कश्मीर भट्ट एवं डॉ. बी. एल. जागेटिया ने भी संबोधित किया। राजकीय नेहरु

मेमोरियल कॉलेज, **हनुमानगढ़** में रुक्टा (राष्ट्रीय) के तत्वावधान में आयोजित अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता विषय पर आयोजित विचार गोष्ठी में चित्तौड़ संभाग संगठन मंत्री डॉ. सुशील कुमार बिस्सू ने कहा कि देश की एकता, अखण्डता एवं संविधान के दायरों में ही व्यक्ति को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता है ना कि स्वयं के हित में देश विरोधी माहौल उत्पन्न करने की। ऐसे व्यक्ति जो देश का सम्मान नहीं करते उन्हें सजा देना आवश्यक है। संगोष्ठी ने विभाग सहसचिव डॉ. श्यामवीरसिंह व कार्यवाहक प्राचार्य प्रो. ओ. पी. तिवाड़ी ने भी विचार व्यक्त किए। आयुक्तालय कॉलेज शिक्षा, **जयपुर** द्वारा आयोजित संगोष्ठी की अध्यक्षता डॉ. सोमकान्त भोजक ने की, विषय प्रवर्तन डॉ. दीपक शर्मा ने किया। संगोष्ठी में डॉ. राजेन्द्र शर्मा, डॉ. दिलीप गोयल, डॉ. रामनिवास चौधरी ने भी विचार व्यक्त किए। संगोष्ठी में डॉ. नाथूलाल सुमन, डॉ. ज्योत्सना भारद्वाज, डॉ. सुभाष गुप्ता सहित अनेक शिक्षक साथी उपस्थित थे। मंच संचालन डॉ. अरुण रघुवंशी ने किया।

राजर्षि महाविद्यालय, **अलवर** में आयोजित कार्यक्रम में प्रान्तीय संयुक्त मंत्री डॉ. गंगाश्याम गुर्जर ने कहा कि संविधान अभिव्यक्ति की आजादी के नाम पर राष्ट्र की भावना को क्षति पहुँचाने की अनुमति नहीं देता। संगोष्ठी में डॉ. भवानीशंकर शर्मा, डॉ. अजयकुमार वर्मा, डॉ. एस. के. देवरानी, डॉ. रामावतार जांगिड़, डॉ. नीरज सैनी ने भी विचार व्यक्त किये। राजकीय गौरीदेवी कन्या महाविद्यालय, **अलवर** में 'अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता कहाँ तक?' विषय पर संगोष्ठी आयोजित की गई। संगोष्ठी में मुख्यवक्ता डॉ. रचना आसोपा ने कहा कि संवाद लोकतंत्र की महत्त्वपूर्ण शर्त है किन्तु राष्ट्र का सम्मान सर्वोपरि है। संगोष्ठी में डॉ. ऋतु गुप्ता, प्राचार्य डॉ. ज्योति सिन्हा, डॉ. लता शर्मा, डॉ. पूर्णिमा कौशिक, डॉ. बुद्धिमति यादव ने भी विचार व्यक्त किये। संचालन डॉ. शैफाली बार्थोनिया ने किया। राजकीय कला महाविद्यालय, **अलवर** में आयोजित संगोष्ठी में डॉ. महेन्द्रसिंह जाट, डॉ. हेमा देवरानी, डॉ. के. एम. शेरावत, डॉ. कर्मवीर चौधरी, डॉ. शशिकान्त शर्मा ने विचार व्यक्त किए। संगोष्ठी में वक्ताओं ने कहा कि संविधान सर्वोच्च एवं सर्वोपरि है। इसका अपमान करना अक्षम्य एवं निंदनीय है। संचालन इकाई सचिव डॉ. धनंजयकुमार सिंह ने किया। राजकीय महाविद्यालय, **केकड़ी** में आयोजित संगोष्ठी में प्रो. विनय कुमार शर्मा, डॉ. अनिता रायसिंघानी, डॉ. विश्वामित्र वैष्णव ने विचार व्यक्त किये। संगोष्ठी का संचालन इकाई सचिव डॉ. पवन चंचल ने किया। राजकीय महाविद्यालय, **नसीराबाद** में आयोजित संगोष्ठी में प्राचार्य डॉ. कल्पना गौड़ ने कहा कि भारतीय संविधान जहाँ एक ओर अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अधिकार प्रदान करता है वही देश के स्वाभिमान की रक्षा के कर्त्तव्य को भी सुनिश्चित करता है। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर राष्ट्र की एकता पर आंच नहीं आनी चाहिए। संगोष्ठी में विभाग सचिव प्रो. अनिल गुप्ता, डॉ. अनामीशरण पंवार, डॉ. अरुण चतुर्वेदी एवं डॉ. गजेन्द्र मोहन ने भी विचार व्यक्त किए। संगोष्ठी का संचालन इकाई सचिव प्रो. संजय कनौजिया ने किया।

राजकीय महाविद्यालय, **किशनगढ़** में आयोजित संगोष्ठी में मुख्य वक्ता डॉ. राधेश्याम अग्रवाल ने कहा कि भारतीय संविधान असीमित अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अधिकार नहीं देता है। ऐसी अभिव्यक्ति जो देश की अखण्डता को चुनौती देती है वह अक्षम्य अपराध है। संगोष्ठी में प्राचार्य डॉ. आई.एस. सूद ने भी विचार व्यक्त किए। रुक्टा (राष्ट्रीय) की मीरा कन्या महाविद्यालय, **उदयपुर** इकाई द्वारा आयोजित संगोष्ठी में प्रांतीय उपाध्यक्ष रेखा भट्ट, प्राचार्य ड़ॉ. रामेश्वर आमेटा, डॉ. सरोजकुमार, डॉ. चन्द्रशेखर शर्मा सहित अन्य शिक्षकों ने अपने विचार व्यक्त किए। वक्ताओं ने राष्ट्र की एकता को सर्वोपरि बताते हुए देश विरोधी कार्यों में लिप्त व्यक्तियों पर कठोर कार्यवाही की मांग की। राजकीय महाविद्यालय, **चिमनपुरा** में आयोजित संगोष्ठी में प्रदेश संयुक्त सचिव डॉ. सरस्वती मितल ने अपने उद्‌बोधन में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की आड़ में राष्ट्रविरोधी गतिविधियों का संचालन करने वाले तत्वों पर कठोर कार्यवाही की मांग की। संगोष्ठी में डॉ. सूरजमल चंदोलिया सहित अन्य शिक्षकों ने भी विचार व्यक्त किये। राजकीय महाविद्यालय, **अनूपगढ़** में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता विषय पर आयोजित संगोष्ठी में प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. सत्यनारायण शर्मा ने अपने वक्तव्य में कहा कि अभिव्यक्ति की आजादी के नाम पर कुछ राष्ट्र विरोधी तत्व राष्ट्र की अखण्डता को चुनौती दे रहे हैं ऐसे कतिपय लोगों द्वारा बनाए जा रहे राष्ट्र विरोधी माहौल के लिए समस्त शिक्षक वर्ग को एकजुट होकर विरोध करना होगा। संगोष्ठी में डॉ. बी. एस. नरुका, डॉ. बी. एम. चौधरी, डॉ. मंगला शर्मा, डॉ. महबूब खान एवं डॉ. अमरजीतसिंह ने भी विचार व्यक्त किए। राजकीय महाविद्यालय, **जोधपुर** में

आयोजित संगोष्ठी में मुख्य वक्ता डॉ. रिछपालसिंह रहे। डॉ. मोहम्मद लुकमान मोदी, डॉ. ओमप्रकाश देवासी, डॉ. बलवीर चौधरी ने भी अपने विचार व्यक्त किये। मंच संचालन इकाई सचिव डॉ. कैलाश शर्मा ने किया।

3. **शिक्षण संस्थाओं में राष्ट्रविरोधी गतिविधियों पर कार्यवाही हेतु हस्ताक्षर अभियान** – पिछले दिनों में जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली तथा जाधवपुर विश्वविद्यालय, कोलकता सहित देश के अनेक विशिष्ठ शिक्षा केन्द्रों में अभिव्यक्ति की आजादी के नाम पर राष्ट्रविरोधी घटनाओं से सम्पूर्ण देश उद्वेलित हुआ। संगठन के आह्वान् पर राज्य की समस्त इकाईयों से लगभग 4000 से अधिक शिक्षकों के हस्ताक्षरित ज्ञापन को माननीय राष्ट्रपति जी के नाम भेजा गया। इन ज्ञापनों के द्वारा संगठन ने माननीय राष्ट्रपति जी से कतिपय संगठनों द्वारा अपने हित साधने के लिए शिक्षा मंदिरों के दुरुपयोग रोकने हेतु हस्तक्षेप करने का आग्रह किया गया तथा इस तरह की राष्ट्रविरोधी गतिविधियों में संलग्न व्यक्तियों के विरुद्ध कठोर कार्यवाही करने हेतु निवेदन किया गया।

4. **नवसंवत्सर पर संगोष्ठी एवं शुभकामना कार्यक्रम सम्पन्न** – हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी नव संवत्सर विक्रम संवत् २०७३ का स्वागत संगठन की विभिन्न इकाईयों द्वारा धूमधाम से किया गया। इस अवसर पर भारतीय कालगणना के महत्त्व पर संगोष्ठियाँ आयोजित की गई तथा महाविद्यालय, विश्वविद्यालय परिसर एवं सार्वजनिक चौराहों पर आगंतुकों को तिलक एवं प्रसाद के साथ शुभकामनाएं दी गई। राजकीय महाविद्यालय, **अजमेर** में आयोजित संगोष्ठी में माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान अजमेर के अध्यक्ष डॉ. बी.एल. चौधरी ने मुख्य वक्ता के रूप में भारतीय कालगणना की वैज्ञानिकता को बताया। कार्यक्रम में संगठन महामंत्री ने नवसंवत्सर के ऐतिहासिक एवं सामाजिक महत्त्व को बताया। संगोष्ठी की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. दीपक राज मेहरोत्रा ने की। वर्ष प्रतिपदा को अजमेर जिले की सभी इकाईयों के शिक्षक साथियों ने स्थानीय रेल्वे स्टेशन चौराहे पर समाज बंधुओं को तिलक लगाकर, नवसंवत् के पंचाग एवं प्रसाद का वितरण किया।

राजकीय महाविद्यालय, **बारां** में आयोजित संगोष्ठी के मुख्य वक्ता ए.बी.वी.पी. के चित्तौड़ प्रान्त प्रमुख श्री दिनेश शर्मा रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विभाग अध्यक्ष डॉ. के. एम. मीणा ने की। इस अवसर पर डॉ. सतीशचन्द्र अग्रवाल, प्रो. विजयराम मीणा, डॉ. आई.डी. खान ने अपने विचार व्यक्त किये। संचालन प्रो. रामकेश मीणा ने किया। **अलवर** के राजर्षि महाविद्यालय, कला महाविद्यालय एवं कन्या महाविद्यालय के शिक्षक साथियों ने रेल्वे स्टेशन के सामने ढोल-धमाके के साथ नूतन वर्ष स्वागत कार्यक्रम आयोजित किया। इस अवसर पर सदस्यों ने समाजजनों को तिलक लगाकर मिठाई वितरण के साथ शुभकामनाएं दी। आयुक्तालय, **जयपुर** में आयोजित नवसंवत्सर कार्यक्रम में शिक्षक साथियों ने एक दूसरे के तिलक व मोली बांध कर नव वर्ष की बधाई दी। राजकीय महाविद्यालय, **कोटा** में इकाई सदस्यों एवं विद्यार्थियों ने सभी आगंतुकों का महाविद्यालय द्वार पर तिलक व प्रसाद वितरण के साथ स्वागत किया।

राजकीय महाविद्यालय, **दौसा** में संगठन महामंत्री के मुख्य आतिथ्य में नवसंवत्सर पर संगोष्ठी आयोजित की गई। संगोष्ठी की अध्यक्षता प्रो. अमिता गिल ने की जबकि विशिष्ट अतिथि कन्या महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. शंकर लाल शर्मा थे। इस अवसर पर प्रो. बी.एल. जाट, प्रो. संबोध गोस्वामी ने भी विचार व्यक्त किये। धन्यवाद उपाचार्य डॉ. एस.डी. शर्मा ने तथा संचालन इकाई सचिव प्रो. शिवशरण कौशिक ने किया। राजकीय महाविद्यालय, **चुरु** में आयोजित कार्यक्रम में माँ सरस्वती का माल्यार्पण एवं विधिवत पूजन कर सभी को प्रसाद वितरित कर नववर्ष की शुभकामनाएं दी गई। इस अवसर पर भारतीय संस्कृति एवं कालगणना के महत्व पर डॉ. सुरेन्द्र डी. सोनी, प्रो. एल. एन. आर्य, प्रो. याकूब अली आदि ने विचार व्यक्त किये। राजकीय कन्या महाविद्यालय, **अजमेर** में आयोजित संगोष्ठी के मुख्यवक्ता चित्तौड़ संभाग के संगठन मंत्री डॉ. सुशीलकुमार बिस्सू रहे। संगोष्ठी में डॉ. अतुल कुमार शर्मा ने भी अपने विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. रेणु शर्मा ने की। राजकीय कन्या महाविद्यालय, **श्रीगंगानगर** में नवसंवत्सर पर एक संगोष्ठी आयोजित की गई। जिसमें विभाग सेवा प्रमुख डॉ. रामप्रताप पेंसिया ने भारतीय कालगणना के वैज्ञानिक एवं सांस्कृतिक महत्त्व पर उद्‌बोधन दिया। अध्यक्षता प्राचार्य प्रो. सरवणसिंह ने की। विभाग सचिव डॉ. श्यामलाल एवं इकाई सचिव डॉ. नवनीत वर्मा के नेतृत्व में शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने सभी आगंतुकों का तिलक लगाकर एवं मोली बांध कर स्वागत किया। राजकीय महाविद्यालय,

केकड़ी में इकाई सदस्यों ने महाविद्यालय के सभी शिक्षकों एवं गैर शैक्षणिक कर्मचारियों के तिलक एवं मोली बांध कर नव वर्ष की शुभकामनाएं दी। इकाई सचिव पवन चंचल ने नवसंवत्सर के महत्व को समझाया। अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. ओ. पी. माहेश्वरी ने की। राजकीय मीरा कन्या महाविद्यालय, **उदयपुर** में भारतीय कालगणना के महत्व पर आयोजित संगोष्ठी के मुख्यवक्ता संस्कृत शिक्षा के संभाग अधिकारी डॉ. भगवती शंकर व्यास ने बताया कि सूर्य, चन्द्रमा एवं पृथ्वी की गतियाँ, ऋतु परिवर्तन, अयन संक्रमण तथा संवत्सर यह सभी पंच महाभूतों व मानव शरीर विज्ञान से भी जुड़े हैं। विचार गोष्ठी की अध्यक्षता प्राचार्य प्रो. रामेश्वर आमेटा ने की। कार्यक्रम का संचालन इकाई सह सचिव डॉ. विनिता कोठारी ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन इकाई सहसचिव डॉ. मुकेश व्यास ने किया।

5. **अम्बेड़कर जयंती पर विभिन्न कार्यक्रम सम्पन्न** – संगठन की विभिन्न इकाईयों ने 14 अप्रेल 2016 को बाबासाहेब अम्बेड़कर की 125 वीं जयंती पर संगोष्ठी कर एवं सार्वजनिक स्थानों पर स्थापित बाबासाहेब की मूर्ति पर माल्यार्पण कर अम्बेड़कर जयंती मनाई। **अजमेर विभाग** की इकाईयों की संयुक्त संगोष्ठी पूर्व प्राचार्य प्रो. शेरसिंह दोचाणिया के मुख्य आतिथ्य में सम्राट पृथ्वीराज चौहान राजकीय महाविद्यालय में आयोजित की गई। संगोष्ठी में संगठन महामंत्री ने बाबासाहेब के विचारों की प्रासंगिकता एवं समाज कल्याण के उनके प्रयासों पर प्रकाश डाला। संगोष्ठी में डॉ. चेतन प्रकाश, प्रो. अनिल गुप्ता, डॉ. ऋतु सारस्वत, डॉ. स्नेह सक्सेना ने भी अपने विचार प्रकट किये। संगोष्ठी की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. दीपकराज मेहरोत्रा ने की। संगोष्ठी में अजमेर, कन्या अजमेर, नसीराबाद, पुष्कर, ब्यावर व किशनगढ़ महाविद्यालयों के शिक्षकों ने भाग लिया। अजमेर विभाग की सभी इकाईयों ने स्थानीय बस स्टेण्ड पर स्थित अम्बेड़कर सर्कल पर स्थापित बाबासाहेब की मूर्ति पर माल्यार्पण भी किया।

   अलवर की समस्त इकाईयों ने 14 अप्रेल को कार्यक्रम आयोजित किया जिसमें बाबासाहेब की मूर्ति पर माल्यार्पण पश्चात एक विचार गोष्ठी आयोजित की गई। जिसमें पूर्व प्राचार्य प्रो. घनश्यामलाल ने डॉ. अम्बेड़कर के जीवन से जुड़े प्रेरक प्रसंगों के द्वारा बाबासाहेब की कर्त्तव्य निष्ठा एवं सामाजिक समरसता को अपनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में संगठन संयुक्त मंत्री डॉ. गंगाश्याम गुर्जर, प्रान्तीय कार्यकारिणी सदस्य डॉ. रचना आसोपा, प्रचार प्रकोष्ठ संयोजक डॉ. शशिकांत गुप्ता, विभाग सचिव डॉ. कर्मवीरसिंह, डॉ. अजय वर्मा सहित सभी महाविद्यालयों के शिक्षक साथी उपस्थित थे।

   राजकीय कन्या महाविद्यालय, **श्रीगंगानगर** में बाबासाहेब के जीवन दर्शन एवं सामाजिक समरसता विषय पर संगोष्ठी आयोजित की गयी जिसमें मुख्य वक्ता प्रो. सरवणसिंह ने विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम में विभाग सचिव डॉ. श्यामलाल ने बाबासाहेब के जीवन दर्शन पर प्रकाश डाला। संगोष्ठी में सभी शिक्षक, मंत्रायलिक व सहायक कर्मचारी उपस्थित थे। राजकीय कन्या महाविद्यालय झुंझुनु में महाविद्यालय प्राचार्य की अध्यक्षता में संगोष्ठी आयोजित की गई। जिसमें प्रो. हीरालाल मील सहित अन्य शिक्षकों ने विचार व्यक्त किये।

6. **अन्य सामाजिक गतिविधियाँ** – संगठन सदैव से ही शिक्षक समस्याओं के समाधान हेतु संघर्ष करने के साथ सामाजिक दायित्व के निर्वहन एवं संस्कृति से जुड़ाव को प्रेरित करने वाले कार्यक्रम आयोजित करता आया है। इसी श्रृंखला में मकर संक्रान्ति पर्व पर कन्या महाविद्यालय अलवर इकाई द्वारा गाडुलिया लुहार बस्ती में जाकर निर्धन एवं जरूरतमंद महिलाओं एवं बच्चों को गर्म कपड़ों का वितरण किया गया। कोटा, जयपुर, चुरू व अन्य इकाईयों द्वारा माँ सरस्वती का वंदन कर बसंत पंचमी के पावन पर्व को हर्षोल्लास से मनाया गया। अजमेर इकाई द्वारा आयोजित वृक्षारोपण कार्यक्रम में 23 व्याख्याताओं ने एक-एक पौधे की देखभाल की जिम्मेदारी ली। इन साथियों ने शपथ ली कि उनको आवंटित पौधे को पूर्ण वृक्ष बनाने तक वे उनकी देखरेख करेंगें।

7. **प्रदेश कार्यकारिणी बैठक सम्पन्न** – संगठन की प्रदेश कार्यकारिणी बैठक 21 फरवरी 2016 को देराश्री शिक्षक सदन जयपुर में संगठन अध्यक्ष डॉ. दिग्विजयसिंह की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। सर्वप्रथम महामंत्री ने गत बैठक का कार्यवाही विवरण सदन के समक्ष रखा जिसे सर्वसम्मति से अनुमोदित किया गया। इसके बाद महामंत्री ने गत बैठक के पश्चात् संगठन की गतिविधियों एवं उपलब्धियों का ब्यौरा प्रस्तुत किया। अगले सत्र में सीकर अधिवेशन एवं कर्त्तव्य बोध कार्यक्रमों की समीक्षा

की गई। सभी ने अधिवेशन में पर्यावरण मित्र व्यवस्थाओं की सराहना की व इसे आगे भी लागू करने का मंतव्य प्रकट किया। कार्यकारिणी ने जेएनयू एवं जाधवपुर विश्वविद्यालयों में हुई देश विरोधी घटनाओं पर रोष एवं चिंता प्रकट करते हुए संगठन द्वारा हस्ताक्षर अभियान, गोष्ठी एवं प्रदर्शन जैसे कार्यक्रम हाथ में लेना तय किया। पदनाम परिवर्तन के संबंध में लगातार हो रही देरी पर चिन्ता व्यक्त की गई एवं सरकार पर दबाव बनाने के लिए अन्य लोकतांत्रिक उपायों को अपनाने पर चर्चा की गई। यह तय किया गया कि इकाईयों द्वारा जनप्रतिनिधियों से मिलकर समर्थन पत्र लिए जाएँ तथा इन पत्रों के साथ सभी शिक्षकों के हस्ताक्षर युक्त ज्ञापन मुख्यमंत्री को प्रेषित किया जाए। कार्यकारिणी ने जून माह में कार्यकर्ता अभ्यास वर्ग आयोजित करने का भी निर्णय लिया गया। संगठन अध्यक्ष ने राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक की कार्यवाही की जानकारी देते हुए कार्यकर्ताओं से अधिकाधिक सक्रियता का आग्रह किया। अंत में गत बैठक के पश्चात् दिवंगत शिक्षक साथी प्रो. ईश्वर राम जांगिड़ चुरु के असामयिक निधन पर शोक प्रकट करते हुए दो मिनट का मौन रख कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। सामूहिक कल्याण मंत्र के साथ बैठक समाप्त हुई।

8. **राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक सम्पन्न** - अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ की राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक महासंघ की उपाध्यक्ष श्रीमती प्रियवंदा सक्सेना की अध्यक्षता में 6 व 7 फरवरी 2016 को रांची (झारखंड) में सम्पन्न हुई। सर्वप्रथम महासंघ के महामंत्री ने नागपुर में सम्पन्न राष्ट्रीय कार्यकारिणी की कार्यवाही एवं कोषाध्यक्ष ने अद्यतन आय-व्यय विवरण सदन के समक्ष रखा गया जिसे सर्वसम्मति से अनुमोदित किया गया। उद्घाटन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि केन्द्रीय ग्रामीण विकास राज्यमंत्री श्री सुदर्शन भगत रहे। बैठक में संगठनश: कार्यवृत्त प्रस्तुत किये गए तथा राष्ट्रीय अधिवेशन व कर्त्तव्य बोध कार्यक्रमों की समीक्षा की गई। उच्च शिक्षा संवर्ग की बैठक में सातवें वेतन आयोग की यू.जी.सी. समिति के समक्ष अपना निवेदन प्रस्तुत करने, प्राचार्य के कार्यकाल को 5 वर्ष तक सीमित न करने, एपीआई को व्यवहारिक बनाने हेतु एमएचआरडी एवं यूजीसी से निरन्तर सम्पर्क व वार्ता हेतु योजना बनाई गई। उच्च शिक्षा संवर्ग द्वारा शिक्षा में नैतिक मूल्य विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित करने का निर्णय भी लिया गया। समारोप सत्र में पाथेय देते हुए रा. स्व संघ के अखिल भारतीय सम्पर्क प्रमुख प्रो. अनिरुद्धजी देशपांडे ने कहा कि हम कार्यकर्ता आधारित संगठन हैं अत: संगठन के कार्यों में गति लाने के लिए कार्यकर्ताओं को समृद्ध बनाने की आवश्यकता है। अध्यक्षजी को आभार व सामूहिक कल्याण मंत्र के साथ बैठक सम्पन्न हुई। रुक्टा (राष्ट्रीय) की ओर से अध्यक्ष डॉ. दिग्विजयसिंह एवं उपाध्यक्ष प्रो. रेखा भट्ट ने बैठक में भाग लिया।

सुखद ग्रीष्मावकाश की कामनाओं के साथ।

भवदीय

(डॉ. नारायणलाल गुप्ता)
[महामंत्री]

20, चित्रकूट कॉलोनी,
माकड़वाली रोड़, अजमेर-305004

अमृत वचन

"पहले भी देश और अंत में भी देश... राष्ट्र व्यक्ति से महान है, व्यक्ति चाहे कितना भी बड़ा क्यों न हो वह राष्ट्र के समक्ष तो छोटा ही है... राष्ट्र की रक्षा के लिए मैं अपना सर्वस्व समर्पित करने को भी तैयार हूँ ।"
- डॉ. बाबासाहेब अम्बेड़कर